आइआइएम ने समर्पण, प्रतिभा और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का किया प्रदर्शन

कुमार गौरव • जागरण

रांची : प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान आइआइएम रांची की टीम के सामूहिक प्रयासों ने सकारात्मक प्रभाव डाला है, जिसके परिणामस्वरूप उल्लेखनीय उपलब्धि और पर्याप्त वृद्धि हुई है। नए परिसर में सफल परिवर्तन से लेकर अग्रणी पहल तक आइआइएम रांची ने पिछले एक वर्ष में अपने निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में समर्पण, प्रतिभा और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। एक

आइआइएम रांच का परिसर और भवन • जागरण

रणनीतिक योजना आइआइएम रांची@2030 का मसौदा तैयार करना था, जिसने स्पष्ट प्राथमिकताएं निर्धारित कीं और संस्थान की वृद्धि और विकास के लिए एक संरचित रोडमैप प्रदान किया। इस पहल का उद्देश्य आइआइएम रांची के प्रयासों में स्पष्टता, उद्देश्य और दिशा लाना है। निदेशक ने कहा अकादमिक उत्कृष्टता और वित्तीय आवश्यकता दोनों का प्रदर्शन करने वाले असाधारण छात्रों को पहचानने और समर्थन करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता दर्शाता है।

वित्तीय बाधाओं को दूर कर छात्रवृत्ति कार्यक्रम सुनिश्चित करता है ताकि योग्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। जनजातीय उद्यमिता और भारतीय व्यापार प्रणाली पर संस्थान के शोध ने उद्यमिता, आर्थिक विकास और स्वदेशी व्यापार प्रथाओं की व्यापक समझ में योगदान देकर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। यह शोध ज्ञान सृजन, सामाजिक प्रासंगिकता और शैक्षणिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण की उन्नति के प्रति आइआइएम के समर्पण को रेखांकित किया है। आइआइएम रांची ने लिबरल आर्ट्स एंड साइंस अकादमिक क्षेत्र की शुरुआत की और रणनीतिक प्रबंधन क्षेत्र का नाम बदलकर रणनीति और उद्यमिता कर दिया। ये रणनीतिक परिवर्तन एक व्यापक और गतिशील शिक्षा प्रदान करने, छात्रों को आज की तेजी से बदलती दुनिया में सफल होने के लिए व्यापक कौशल और दृष्टिकोण से लैस करने की संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

समग्र और समावेशी शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने के लिए आइआइएम रांची की प्रतिबद्धता को ह्यूमैन कनेक्ट और ह्यूमैन लाइब्रेरी जैसी पहलों के माध्यम से उदाहरण दिया गया है। नेचर कनेक्ट पहल शुरू की गई, जिसका उद्देश्य भलाई को बढ़ाना, रचनात्मकता को बढ़ावा देना, जिम्मेदार उपभोग को बढ़ावा देना और प्रकृति के जन्मजात गुणों को अपनाकर लचीलापन का पोषण करना है। ताकि यहां से डिग्री लेकर निकलनेवाले छात्र-छात्राओं को करियर चुनने में ज्यादा परेशानी का सामना न करना पड़े।

> आइआइएम रांची फार लाइफ पहल संस्थान और इसके पूर्व छात्र समुदाय के बीच स्थाई साझेदारी पर जोर देती है। समुदाय की सेवा के एक महत्वपूर्ण प्रयास में आइआइएम रांची ने हवाई अड्डे और जगन्नाथपुर बस्ती में सामुदायिक पुस्तकालयों की स्थापना की। इसके अलावा हैदराबाद में आइआइएम रांची का नया विस्तार केंद्र संस्थान के कार्यकारी शिक्षा परिदृश्य के विस्तार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर दर्शाता है।
>
> **-प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव,** निदेशक, आइआइएम रांची।

Dainik Jagran_
29.12.2025_P. 4